

प्रेषक:-

डा० एम०सी० जोशी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक 25 मार्च, 2006

विषय:- उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को ए०पी०डी०आर०पी० योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2005-2006 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आय-व्यय विभाग, नई दिल्ली को पत्र संख्या 7/29/2002-APDRP दिनांक 05.10.2005 के संदर्भ में भुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में आयोजनागत पक्ष में ए०पी०डी०आर०पी० योजनान्तर्गत पारिवर्षिक एवं वितरण हेतु उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को ऋण के रूप में ₹ 6,08,00,000.00 (₹ 6 करोड़ आठ लाख मात्र) की धनराशि संगत मद से एवं ₹ 85,20,000.00 की धनराशि संलग्न बी.एम. 15 अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से अर्थात् कुल धनराशि ₹ 6,93,20,000.00 (₹ 6 करोड़ तिरानवे लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग भारत सरकार से ए०पी०डी०आर०पी० योजनान्तर्गत स्वीकृत योजनाओं के विरुद्ध ही व्यय किया जायेगा एवं तत्संबंधी योजनाओं की सूची शासन को तत्काल उपलब्ध करा दी जाये। उक्त व्यय में भारत सरकार के दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
2. योजनाओं के संक्षेप में वित्तीय/भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन, वित्त विभाग, महालेखाकार एवं भारत सरकार को उपलब्ध कराई जायेगी तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी नियत प्रारूप में ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार एवं शासन को समय पर प्रेषित किया जायेगा।
3. आवश्यक सामग्री का भुगतान संबंधित फर्म से प्राप्त सामग्री की जाँच के उपरान्त किया जायेगा तथा सामग्री गुणवत्ता के लिये किसी सक्षम अधिकारी को अधिकृत किया जाये जो इस हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
4. स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र उपयोग न किया जाये और व्यय उन्हीं मदों/योजनाओं पर किया जाये जिनके लिये यह स्वीकृत की जा रही है।
5. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० अधिकारी जिराके अधीन यह कार्य हो रहा है, ही पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. उक्त स्वीकृत ऋण पर 10.5% की दर से ब्याज देय होगा। ऋण की अदायगी ब्याज सहित 20 बराबर वार्षिक किस्तों में की जायेगी। प्रतिवर्ष देय किस्त का भुगतान प्रतिवर्ष माह जून से मार्च (अगले वर्ष में 10 बराबर किस्तों में किया जायेगा) मासिक किस्त की अदायगी प्रत्येक माह की 15वीं तिथि तक माह जून से अगले वर्ष माह मार्च तक की जायेगी।
7. उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० द्वारा अपने हस्ताक्षर से तैयार एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित बिल कोषागार, देहरादून में प्रस्तुत कर किया जायेगा।
8. कोषागार द्वारा यह धनराशि निगम के पी०एल०ए० खाते में जमा कर दिया जायेगा। जहाँ से निगम आवश्यकतानुसार धनराशि का आहरण कर सकेगा।

9. ऋण की अदायगी नियमित रूप से न किए जाने की दशा में अवशेष मूलधन ब्याज की किस्तों पर 13.25% की दर से वार्षिक ब्याज देय होगा।
10. स्वीकृत धनराशि को आहरित करने के लिये बिलों पर प्रतिहस्ताक्षर करने के लिये जिलाधिकारी, देहरादून को प्राधिकृत किया जाता है।
11. (अ) प्रत्येक ऋण आहरण की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल देहरादून को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम, बाऊचर सं०, निधि लेखाशीर्षक सूचित करते हुये भेजे।
(ब) किस्तों का भुगतान एवं ब्याज जमा करने की सूचना महालेखाकार कार्यालय को निम्न प्रारूप पर अवश्य भेजे—
1— कोषागार का नाम, 2— बाऊचर सं०, 3— जमा धनराशि, किस्त, ब्याज, 4— शासनादेश संख्या और एन०एल०सी० का संदर्भ, 5— लेखाशीर्षक, जिसके अन्तर्गत जमा की धनराशि ब्याज।
(स) ऋण संख्या आहरण के प्रत्येक वर्ष पर अपने लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेखों से अवश्य करें तथा शासन को मिलान की सूचना उपलब्ध कराई जाय तथा किस्तों के भुगतान का मिलान शासन से भी करा लें।
12. स्वीकृत ऋण को चालू वित्तीय वर्ष 2005-2006 के अनुदान सं० 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-6801-विजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-05-पारेषण एवं वितरण-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनाओं-01-एपीडीपी योजनागत पारेषण एवं वितरण हेतु उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० की सहकता/ऋण-30-निवेश/ऋण नामें डाला जायेगा।

2— यह आदेश वित्त विभाग के अक्षरकीय सं०- 489(क)/XXVII-2/2006 दिनांक 23 मार्च, 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- बी एम 15

भवदीय

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

संख्या-475 /1/2006-06(1)/18/2006,तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
2. निजी सचिव, ऊर्जा राज्य मंत्री, उत्तरांचल शासन को मा० राज्य मंत्री के संज्ञान में लाने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. सचिव, उत्तरांचल विद्युत निगमक आयोग, उत्तरांचल।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
8. नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
9. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तरांचल।
10. गार्ड फाईल।



(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

